बटुक भैरव की आरती

जय भैरव देवा प्रभु जय भैरव देवा,

सुर नर मुनि सब करते प्रभु तुम्हरी सेवा।

तुम पाप उद्धारक दुःख सिन्धु तारक,

भक्तों के सुखकारक भीषण वपु धारक।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

वाहन श्वान विराजत कर त्रिशूल धारी,

महिमा अमित तुम्हारी जय जय भयहारी।

तुम बिन शिव सेवा सफल नहीं होवे,

चतुर्वतिका दीपक दर्शन दुःख खोवे॥

तेल चटकि दधि मिश्रित भाषावलि तेरी,

कृपा कीजिये भैरव करिये नहिं देरी॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पाँवों घुंघरू बाजत डमरू डमकावत,

बटुकनाथ बन बालक जन मन हरषावत॥

बटुक नाथ की आरती जो कोई नर गावे,

कहे धरणीधर वह मन वांछित फल पावे॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य आरतिया पढ़ें

- गणेश जी
- हनुमान जी
- शनि देव
- अम्बे तू है जगदम्बे
- ओम जय जगदीश हरे
- साईं बाबा
- बालाजी
- बाबा रामदेव जी
- रविदास जी
- महावीर भगवान
- शारदा माता
- भैरव आरती
- राधा जी
- पितर
- पार्वती जी
- आरती कुंजबिहारी

हिन्दीपथ.कॉम – HindiPath.com

- जय शिव ओंकारा
- महालक्ष्मी जी
- तुलसी माता
- गंगा मैया
- सूर्य भगवान
- नर्मदा जी
- कृष्ण आरती
- विश्वकर्मा जी
- शीतला माता
- जाहरवीर बाबा
- अन्नपूर्णा माता
- ब्रह्मा जी
- शाकंभरी माता
- प्रेतराज सरकार
- परशुराम जी
- बटुक भैरव
- श्री विंध्येश्वरी
- बाबा गंगाराम जी
- बगलामुखी आरती
- आरती ललिता जी की

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

- गुरु गोरखनाथ
- लड्डू गोपाल
- बद्रीनाथ
- सरस्वती माता
- केदारनाथ की
- श्री भागवत भगवान
- रघुवर लला
- गीता जी
- श्री रामायण जी
- गौ माता
- बाबा बालक नाथ की
- गोलू देवता की

हिन्दीपथ.कॉम